Subject- Maithili (IInd Semester)
Paper code- CC-6, MTL-522
Topic - Kamlak Charitra Chitran
Format - PDF

Name/contact- Dr. Sudhir Kumar Jha
Department of Maithili
Patna University
Mobile - 9661819662
Email- drsudhirkrjha1170@gmail.com

Scanned with CamScanner

कमलक चरित्र-चित्रण

'कमल' श्री सुधांशु 'शेखर' चौधरी लिखित 'बेलक मारल' शीर्षक करुण रस सँ भरल एकांकीक मुख्य पात्र छथि। ओ एक निम्नवर्गीय लोक छथि मुदा हुनक धारणा, दृष्टिकोण एवं विचार निम्नकोटिक नहि छनि। उत्तम कोटिक मनुष्य मे जे सभ गुण होइत छैक से सबटा हुनक चरित्र मे विद्यमान अछि। निर्धन, असहाय, आधारहीन, अवलम्बनहीन, पीड़ाग्रस्त जन सभक सहायता करब हुनक जीवनक उद्धार करब हुनक मुख्य काज थिक। कमल पुष्पक जे विशेषता होइत अछि, जे गुण होइत अछि, से सबटा हुनका मे देखि सकैत छी।

कमलक फूल कें हमरा लोकनि कादो मे देखैत छी। कादोक उद्धार कमलहि सँ होइत छैक। तहिना 'कमल' कें सेहो हम सभ अर्थाभाव सँ पीड़ित, दुख-दैन्य मे डूबल समाज मे देखैत छी। कमल पुष्प मे जे सौन्दर्य, कोमलता, आकर्षण, रस ओ सुगन्धि छैक तदृश सौन्दर्य, कोमलता, आकर्षण, रस एवं सुगन्धि हुनको चरित्र मे अछि। ओ सत्यव्रती, मृदुभाषी आ व्यवहारकुशल छथि। हुनक सुसंस्कृत व्यवहार ग्रामीण जन कें मोहि लैत अछि। ओ समताक प्रेमी छथि। हुनक विचार पूर्णतः मानवतावादी अछि। ओ समाज सँ भेदभाव कें निष्कासित कए ओहि मे समता आनए चाहैत छथि। पीड़ित जनसमुदायक प्रति हुनक हृदय मे अपार स्नेह अछि, सहानुभूति अछि। अत्याचारी, भ्रष्ट आचरण एवं स्वार्थीक प्रति ओ घृणा प्रदर्शित करैत छथि। ओ मध्यवर्गक लोकक अनुचित आचरणक निन्दा करैत छथि। ओ निर्भीक एवं सत्यनिष्ठ छथि— "नेहिटी जो! की थिक ई? की एहि मे सहायता-भावना सँ बेसी मनोरंजन भावना नहि छैक? एहन मनोरंजन जे वासना सँ उमतल नवयुवक आ नवयुवती कें अवसर जुटबैत अछि एकठाम होयबाक आ आँखि लड़यबाक।"

मध्यमवर्गीय लोकक सहायताक भावना मनोरंजन भावना थिक। ओ मध्यमवर्गीय लोकक स्वभावगत एहि विकृति कें निर्भीक भए व्यक्त करैत छथि। हुनका दृष्टिकोण मे उक्त प्रकारक मनोरंजन वासनामूलक प्रवृतिक जन्मदाता थिक। लोकहितवादी विचारधाराक लोक बाह्याडम्बरक विरोधी होइत अछि। ओ शुद्ध हृदय सँ जनसामान्यक कल्याण करैत अछि। शुद्ध हृदयक लोक होएबाक कारणें, सत्यव्रती आ कोमल प्रकृतिक होएबाक कारणें कमल जनसामान्यक कल्याण कार्य मे संलग्न रहैत छथि। हुनका बाहरी ताम-झाम सँ घृणा छनि। ओ मनसा, वाचा, कर्मणा पीड़ित जनसमुदायक उद्धार करए चाहैत छथि। 'माया'क बाहरी आडम्बरयुक्त क्रियाकलाप हुनका कनेको नहि सोहाइत छनि।

कमल निर्धनता कें अपराध मानैत छथि। जे गरीब अछि, ओ अपराधी अछि। गरीबीक संबंध मे कमलक ई उक्ति, हुनक पीड़ित हृदयक उपज थिक। वर्त्तमान सभ्य समाज द्वारा गरीबी कें अपराध रूपें

Scanned with CamScanner

मारैत देखि हुनक हृदय पीड़ित भए जाइत अछि। तेँ हुनका हृदय सँ क्रांतिक स्वर फूटि पड़ैत अछि। इमानदार गरीब केँ अपराधी माननिहार वर्तमान सभ्यताक ओ निन्दा करैत छथि। सुधारवादी प्रकृतिक लोक होयबाक कारणेँ कमल वर्तमान समाज मे सुधार आनए चाहैत छथि। हुनक वाणी सँ एकांकीकारक दृष्टिकोण आ धारणा व्यक्त होइत अछि।

कमलक दुर्गतिक मूल कारण अछि वर्तमान समाजक दोषपूर्ण व्यवस्था, दोषपूर्ण नीति।

Scanned with CamScanner